राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग (नैनीताल)

Course Outcome : NEP-2020

Department of Sanskrit

Programme: *Certificate Course in Arts- Sanskrit*

Credits : **6**	**Class : B.A. Ist Semester**	Paper – **Ist**

: :

Course Title : संस्कृत नीतिसाहित्य एवं व्याकरण

1. नीतिशतकम्
2. हितोपदेश
3. व्याकरण–संज्ञा प्रकरण

Course Outcome : अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत नीतिसाहित्य से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत नीतिसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
3. नीतिसाहित्य में प्रयुक्त नैतिक शिक्षा का बोध कर सकेंगे।
4. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
5. संस्कृत वर्णों के मूल भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
6. स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग सन्धि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Suggested Reading :-

1. नीतिशतकम्– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
2. भर्तृहरि कृत नीतिशतकम्–मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. हितोपदेश–सम्पादक डॉ. प्रभुनाथ द्विवेदी, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. हितोपदेश (मित्रलाभ)–डॉ. कविता गौतम, युवराज प्रकाशन, आगरा।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी–श्री वरदराजाचार्यकृत–ललिता–संस्कृत–हिन्दी टीकोपेता– डॉ. कौशल किशोर पाण्डेय–चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री वरदराजाचार्यकृत– व्याख्याकार श्री धरानन्द शास्त्री– चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

Course Outcome : NEP-2020

Department of Sanskrit

Programme: *Certificate Course in Arts- Sanskrit*

Credits : **6**	**Class : B.A. IInd Semester**	Paper – **Ist**

Course Title : संस्कृत महाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक

1. रघुवंश
2. छंद परिचय
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम्
4. नाटयसाहित्य का सामान्य परिचय

Course Outcome : अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे।
3. विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य में प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
4. संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
5. संस्कृत नाटक के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।
6. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

Suggested Reading :-

1. रघुवंश महाकाव्यम्– सम्पादक–महावीर शास्त्री–साहित्यभण्डार प्रकाशन, सुभाष बाजार, मेरठ–250002।
2. छन्दोलंकार ज्ञान–डॉ. किरण टण्डन।
3. अलंकार शास्त्र का इतिहास–डॉ. कृष्ण कुमार।
4. वृत्तरत्नाकर– पं. केदार भट्ट–व्याख्या पं. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. साहित्यदर्पण–नवम–दशम परिच्छेद।
6. छन्दोलंकार परिचय–डॉ. लज्जा भट्ट,लक्ष्मी प्रकाशन।
7. छन्दोलंकार सौरभम्–डॉ. सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।
8. अभिज्ञानशाकुन्तलम्–डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, साहित्य संस्थान इलाहबाद।
9. अभिज्ञानशाकुन्तलम् एक विश्लेषण– डॉ. देवदत्त शर्मा।
10. संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ. कपिलदेव शर्मा, ज्ञान प्रकाशन भदोही।
11. संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
12. महाकवि कालिदास–रमाशंकर तिवारी।
13. संस्कृत नाटक–ए.बी. कीथ।
14. संस्कृत नाटक–रामजी उपाध्याय।

Course Outcome : NEP-2020

Department of Sanskrit

Programme: *Diploma Course in Arts- Sanskrit*

Credits : **6**	**Class : B.A. IIIrd Semester**	Paper – **Ist**

Course Title : संस्कृत साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण

1. किरातार्जुनीयम्
2. शिवराजविजयम्
3. भारतीय संस्कृति–
4. सन्धिप्रकरणम्– लघुसिद्धान्तकौमुदी
5. कारकप्रकरण–लघुसिद्धान्तकौमुदी,

Course Outcome : अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
2. भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
3. भारतीय सांस्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।
4. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

Suggested Reading :-

1. किरातार्जुनीयम्–भारविकृत्– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास पब्लिकेशन, दिल्ली।
2. शिवराजविजयम्–अम्बिकादत्तव्यास कृत्–प्रथम विराम–डॉ. रमाशंकर मिश्र।
3. भारतीय संस्कृति– डॉ. किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली।
4. भारतीय संस्कति का इतिहास– डॉ. नरेन्द्र देव सिंह शास्त्री।
5. भारतीय संस्कृति– डॉ. इन्दुमती मिश्र।
6. आधुनिक गद्यसाहित्य का इतिहास– कलानाथ शास्त्री।
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी– (समास प्रकरण)– डॉ. सुरेन्द्र देव शास्त्री।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– (समास प्रकरण)– श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
9. शिवराजविजय– अम्बिकादत्तव्यास कृत्– डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
10. लघुसिद्धान्तकौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा।

Course Outcome : NEP-2020

Department of Sanskrit

Programme: *Diploma Course in Arts- Sanskrit*

Credits : **6**	**Class : B.A. IVth Semester**	Paper – **Ist**

Course Title : संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध

1. शिशुपालवधम्
2. कादम्बरी

Course Outcome : अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्यसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।
3. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
4. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
5. विद्यार्थियों में निबन्ध लेखन क्षमता का विकास होगा।

Suggested Reading :-

1. शिशुपालबधम्–डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
2. कादम्बरी–शुकनासोपदेश।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5. आधुनिक संस्कृत साहित्य–डॉ. हीरालाल शुक्ल।
6. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास– राधाबल्लभ त्रिपाठी, विश्वद्यिालय प्रकाशन, वाराणसी।
7. आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची– सम्पादक– राधाबल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
8. आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
9. संस्कृत वाङ्मय का बृहद इतिहास–सप्तम खण्ड आधुनिक खण्ड, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, उत्तरप्रदेश।

Course Outcome : NEP-2020

Department of Sanskrit

Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*

Credits : **5**	**Class : B.A. Vth Semester**	Paper – **Ist**

Course Title : काव्यशास्त्र दर्शन एवं व्याकरण

1. साहित्यदर्पण
2. तर्कसंग्रह
3. व्याकरण–प्रत्यय (कृदन्त) लघुसिद्धान्तकौमुदी।

Course Outcome : अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्‌भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।
2. भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
3. दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
4. व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

Suggested Reading :-

1. काव्यालंकार– शिवनारायण शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन।
2. साहित्यदर्पण–प्रो. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
3. तर्कसंग्रह–अन्नंभट्‌ट– डॉ. चन्द्रशेखर द्विवेदी।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी– कृदन्त प्रकरण– महेश सिंह कुशवाहा।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ. सुरेन्द्र देव शास्त्री।
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी– वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6 भाग)।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डे, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
10. कृदन्त प्रकरणम्–डॉ. लज्जा भट्‌ट–राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
11. काव्यदीपिका– कान्ति चन्द्र भट्‌टाचार्य– मोतीलाल बनारसी दास।

Course Outcome : NEP-2020

Department of Sanskrit

Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*

Credits : **5**	**Class : B.A. Vth Semester**	Paper – **IInd**

Course Title : उपनिषद् पुराण एवं स्तोत्रकाव्य

1. कठोपनिषद
2. श्रीमद्भागवद्पुराण का ''नारायण कवच''
3. स्तोत्रकाव्य : आदित्यहृदयस्तोत्र

Course Outcome : अधिगम उपलब्धि

1. उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
2. पुराणों के परिचय से सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।
3. स्तोत्रकाव्य के परिचय से कल्याण परक तथ्यों से परिचित होकर आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
4. स्तोत्रकाव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Suggested Reading :-

1. कठोपनिषद्– सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
2. पुराण विमर्श– पण्डित बलदेव उपाध्याय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
3. श्रीमद्भागवद्पुराण–गीता प्रेस, गोरखपुर।
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ. कर्ण सिंह।
5. पुराण तत्त्व मीमांसा–डॉ. श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।
6. श्रीमद्भागवतम्–सम्पादक– रामतेज पाण्डेय शास्त्री, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।

Course Outcome : NEP-2020

Department of Sanskrit

Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*

Credits : **4**	**Class : B.A. Vth Semester**	Paper – **Project**

Course Title : संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं पर लघुशोध कार्य

Course Outcome : अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं से परिचित होंगे।
2. संस्कृत साहित्य के प्रचार के लिए संस्कृत साहित्य का अध्ययन सहायक होगा।
3. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के अध्ययन के माध्यम से शोध कार्य में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।

Suggested Reading :-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. नाट्यशास्त्र–भरतमुनि– मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
3. संस्कृत वाङ्मय का बृहद इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
4. दशरूपकम्–धनंजय– मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

Course Outcome : NEP-2020

Department of Sanskrit

Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*

Credits : **5**	**Class : B.A. VIth Semester**	Paper – **Ist**

Course Title : वैदिकवाङ्मय

Course Outcome : अधिगम उपलब्धि

1. वैदिकवाङ्मय संस्कृत की समृद्ध परम्परा को समझने में पर्याप्त सहायक होगा।
2. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
3. वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन अध्यात्म, समाज एवं राष्ट्र का दिग्दर्शन होगा।
4. वेदाङ्ग के सम्यक् बोध से सर्वकल्याणार्थ उनका उपयोग करेंगे।

Suggested Reading :-

1. वैदिक सूक्त चयनिका– डॉ. किरण टण्डन, डॉ. जया तिवारी, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
2. वैदिक सूक्त संकलन– विजय शंकर पाण्डे।
3. वैदिक सूक्त संग्रह–अयोध्या प्रसाद सिंह।
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ. कर्णसिंह।
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप – डॉ. ओमप्रकाश पाण्डे।
6. शिवसंकल्पसूक्त–संस्कृत हिन्दी टीका सहित– डॉ. त्रिलोकी नाथ द्विवेदी, चौखम्बा साहित्य प्रकाशन, वाराणसी।

Course Outcome : NEP-2020

Department of Sanskrit

Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*

Credits : **5**	**Class : B.A. VIth Semester**	Paper – **IInd**

Course Title : स्मृतियां एवं अर्थशास्त्र

1. मनुस्मृति
2. याज्ञवल्क्यस्मृति : व्यवहाराध्याय
3. कौटिलीय अर्थशास्त्र : विनयाधिकारिक प्रथमाधिकरण

Course Outcome : अधिगम उपलब्धि

1. स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. मनुस्मृति के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं संस्कार का अवबोध कर सकेंगे।
3. याज्ञवल्क्यस्मृति के अध्ययन से आचार एवं व्यवहार का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. कौटिलीय अर्थशास्त्र के अध्ययन से राजव्यवस्था, कृषि, न्याय एवं राजनीति आदि के मूलभूत सिद्धान्तों का अवबोध कर सकेंगे।

Suggested Reading :-

5. मनुस्मृति– पं. रामेश्वरभट्ट कृत हिन्दी टीका सहित– चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली।
6. याज्ञवल्क्यस्मृति–हिन्दीव्याख्याकार– डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, आचार्य कपिलदेव गिरि, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
7. वैदिक साहित्य का इतिहास–डॉ. कर्ण सिंह।
8. मनुस्मृति हिन्दी व्याख्या सहित–डॉ. गजानन्द शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
9. याज्ञवल्क्यस्मृति– मिताक्षरा– संस्कृत तथा हिन्दी टीका सहित – गंगासागर राय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

डॉ. विनोद कुमार उनियाल
सहायक प्राध्यापक
संस्कृत विभाग
रा.महा.कोटाबाग नैनीताल